20 सोने में निवेश कितना खरा

Invesmtment in Gold

1 **सोने के संबंध में रोचक तथ्य –** विश्व में होने वाले सोने के उत्पादन का 72% दक्षिण अफ्रिका में उत्पादित होता है, जबकि भारत में 0.3%, भारत विश्व का सबसे अधिक सोने की खपत करने वाला देश है। यहां प्रतिवर्ष 800 टन से अधिक (20 – 25 प्रतिशत कुल उत्पादन का) सोने की खपत होती है।

- ☞ सोना विश्व के बहुत से देशों में सामाजिक एवं धार्मिक रीति रिवाजों का अभिन्न अंग है। यह आयुर्वेदिक औषधि है। सोना एक चमकदार धातु है, जिसकी चमक एसिड के उपयोग से भी खराब नही होती है इसलिए इसका उपयोग आभूषण बनाने में अन्य धातुओं की अपेक्षा अधिक होता है।
- ☞ 1 औंस सोने को लगभग 100 वर्ग फीट शीट पर फैलाया जा सकता है ।
- ☞ 1 औंस सोने से 50 मील लंबा वायर खींचा जा सकता है। विद्युत का बढ़िया सुचालक होने के कारण इसका उपयोग इलेक्ट्रानिक चिप बनाने में किया जाता है।
- ☞ सोना घनत्व अधिक होता है इसलिए इसका परिवहन आसान है।
- ☞ सोना अभी भी विश्व मे भुगतान करने के अंतिम (Ultimate) तरीकों को निरूपित करता है।

2 **सोने में निवेश क्यों ?**

- ☞ सोना एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा है। सोना सामाजिक एवं धार्मिक रीति रिवाजों का अभिन्न अंग है।
- ☞ सोने के आभूषण, सौंदर्य बढ़ाने के महत्वपूर्ण माध्यम है।
- ☞ सोने के मूल्य में शेयरों की अपेक्षा कम उतार चढ़ाव होता है।
- ☞ सोने को निवेश के पोर्टफोलियों में रखने से जोखिम कम होता है, अर्थात युद्ध अशांति के समय जब अन्य पूंजीगत अस्तियॉ जैसे शेयर ऋण पत्र, अचल संपत्ति के भाव कम होतें हैं, वहीं सोने के भाव बढ़तें हैं। इस प्रकार यह निवेश संपत्ति के बीमा के रूप में कार्य करता है।
- ☞ मुद्रा स्फिति से होने वाले नुकसान की भरपाई सोने के निवेश से हो जाती है, अर्थात मुद्रा स्फिति जितनी कम होती है उसी अनुपात में सोने की दर बढ़ती है।

3 **सोने में निवेश के विकल्प –**

ज्वेलरी, सोने के सिक्के, छड़, ईटे, बिस्कीट, गोल्ड डिपाजिट योजना, सोने के म्यूच्यूअल फण्ड में निवेश।

4 **सोने में निवेश के बेहतर विकल्प का चयन कैसे करें ?**

(1) सोने का आभूषण – जितना आवश्यक हो उतना हालमार्क वाला सोने का आभूशण खरीदें। क्योंकि विभिन्न प्रकार के आभूषणों की श्रेणी में सोने चांदी के आभूषण ही ऐसे आभूषण है, जिनकी कोई पुर्नखरीद कीमत होती है, इसलिए सौंदर्य तथा रीति रिवाजों के लिए आवश्यक हालमार्क आभूषण खरीदना चाहिए, परन्तु निवेश के लिए ज्वेलरी खरीदना अच्छा विकल्प नही है।

(2) स्वर्ण बांड योजना– समय–8 वर्ष पर 5 वर्ष बाद निकाला जा सकता हैं। ब्याज 2.75 प्रतिशत वार्षिक की दर से छः माह में देय, कोई पूंजी अभिलाभ कर नहीं।

(3) सोने का म्युच्युअल फण्ड – सोने में निवेश के लिए बेहतर विकल्प सोने पर आधारित यू.टी.आई. व बैंच मार्क कंपनी के स्टाक एक्सचेंज में लिस्ट म्यूचूअल फण्ड हो सकतें हैं, इसके निम्न फायदें हैं :–

- ☞ इसमें निवेश अपेक्षाकृत सस्ता होता है। इसमें कोई बनाने का चार्ज नही लगता। स्टोरेज (बैंक लाकर) व इन्श्यूरेंश का खर्च अपेक्षाकृत कम लगता है।
- ☞ निवेश सुरक्षित एवं पारदर्शी है। अंतर्राष्ट्रीय दर के अनुसार खरीदी बिक्री संभव।
- ☞ म्यूचूअल फण्ड द्वारा 99.5 शुद्धता का सोना खरीदा जाता है। संग्रहित सोने का पूरा बीमा किया जाता है तथा सोने को लोन लेने के लिए उपयोग नही किया जाता है।
- ☞ व्यवहार में आसानी – कभी भी म्यूचूअल फण्ड के युनिटों को आवश्यकता के अनुसार कम से कम 1 यूनिट अर्थात 1 ग्राम तक सोना खरीदा व बेचा जाता है।
- ☞ निवेश के दौरान कभी भी सोने की डिलवरी लेने की आवश्यकता नही पड़ती है, इसमें इन्ट्री व एक्जीट लोड नही होता है,क्योंकि युनिटो को सीधे स्टाक एक्सेंज NSE से खरिदा जा सकता है।
- ☞ धनकर नही लगता तथा 1 वर्ष बाद बेचने पर दीर्घकालीक पूंजी अभिलाभ की श्रेणी में ।

3 हालमार्किंग क्या है ?

☞ अप्रेल 2000 में भारतीय मानक ब्यूरो (बी.आई.एस.) में विश्व स्वर्ण काउंसिल के सहयोग से सोने के जेवरातों की शुद्धता को मापने हेतु हालमार्किंग योजना प्रारम्भ की है।

☞ हालमार्किग के द्वारा सोना चांदी के जेवरात में 5 चिन्ह अंकित होतें हैं।
- ➢ भारतीय मानक ब्यूरो का लोगो ➪ ➪ ➪ ➪ ➪
- ➢ हालमार्किंग सेन्टर का चिन्ह
- ➢ धातु की शुद्धता का प्रतिशत प्रदर्शित करने वाला कोड

शुद्धता प्रतिशत	कोड	कैरेट
99.9 प्रतिशत	999	24 कैरेट
95.8 प्रतिशत	958	23 कैरेट
91.6 प्रतिशत	916	22 कैरेट
87.5 प्रतिशत	875	21 कैरेट
75 प्रतिशत	750	18 कैरेट

- ➢ मार्किंग का वर्ष का कोड प्रदर्शित करता है (A-2000) (B-2001) (C-2002)
- ➢ ज्वेलर्स का चिन्ह

4 सोने के निवेश पर आयकर के प्रावधान

☞ सोने के जेवरात को स्त्री धन मानते हुए बिना किसी रिकार्ड के 500 ग्राम प्रति विवाहित महिला, 200 ग्राम प्रति अविवाहित लड़की, व 100 ग्राम प्रति पुरूष सदस्य को रखने की छूट है।

☞ सोने के जेवरात, सिक्का पूंजीगत लाभ के उद्देश्य से पूंजी संपत्ति माना जाता है अर्थात निवेश के तीन वर्ष के पश्चात बेचने पर होने वाला लाभ दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ में (10% या 20 %) तथा 3 वर्ष से पहले बेचने पर अल्पकालिक पूंजी अभिलाभ कहलायगा, जिस पर सामान्य दर से आयकर देय होगा।

5 जेवरातों की कीमत का निर्धारण

☞ यदि 24 कैरेट (999 कोड) सोने की दर 10,000 रूपये प्रति 10 ग्राम है तो 22 कैरेट (916 कोड) वाले सोने की दर = 10,000 का 91.6 प्रतिशत अर्थात 9160 रू. प्रति 10 ग्राम होने चाहिए।

☞ हालमार्किंग ज्वेलरी बनाने के लिए उच्च कोटि की धातुओं का उपयोग टांका लगाने में किया जाता है। अतः बनाने का खर्च (मेकिंग चार्जेस) अधिक होतें हैं परन्तु बेचते समय कोई पैसा अशुद्धता के रूप में नही काटा जाता अर्थात 916 कोड की ज्वेलरी को 22 कैरेट के सोने के उस दिन के दर से सीधे बेचा जा सकता है,जबकि सामान्य ज्वेलरी में बेचते समय 10 से 15% टांका (अशुद्धि) के रूपमें काटा जाता है

6 Lkuk ,oa pkanh dh dherk esa mrkj p<ko o"kZ 1930 ls 2012 rd &

31 मार्च को	सोने का भाव प्रति 10 ग्राम	चांदी का भाव प्रति किलो	31 मार्च को	सोने का भाव प्रति 10 ग्राम	चांदी का भाव प्रति किलो
1930	18	46	1990	3200	6433
1935	30	58	1995	4658	6179
1940	36	48	2000	4395	7765
1945	62	110	2005	6180	10675
1950	99	160	2008	12125	23625
1955	79	142	2010	16590	27250
1960	111	185	2011	21090	56600
1965	71	280	2012	28140	56500
1970	184	521	2013	30125	54300
1975	540	1012	2014	24300	43400
1980	1330	2655	2015	26575	37200
1985	2130	3955	2016	29,480	36,495